Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 4

भारत के विदेश संबंध

भाग - 1

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

इस अध्याय में :

- 1962, 1965 और 1971 के युद्धों ने हमारे विदेशी संबंधों को तथा देश की राजनीति को कैसे प्रभावित किया।
- भारत के विदेश संबंधों ने किन अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में आकार ग्रहण किया?
- भारत की विदेश नीति किन सिद्धांतों से निर्देशित हुई?
- चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते कैसे रहे?
- भारत की परमाणु नीति का उद्भव किन परिस्थितियों में हुआ?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

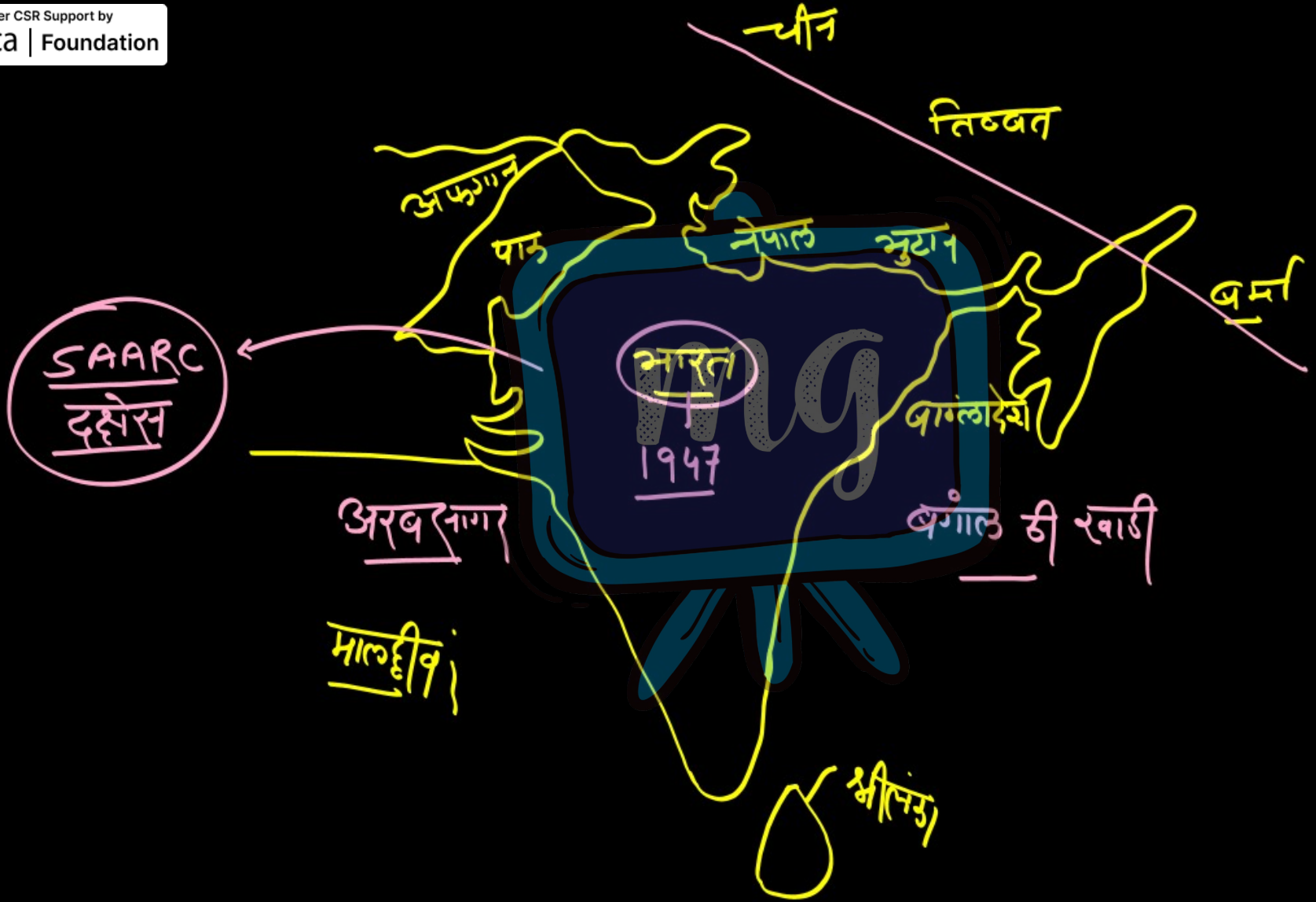
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विदेश नीति → एक राष्ट्र द्वारा दूसरे राष्ट्र / संगठन के साथ बेहतर सम्बंध स्थापित करने के लिए जिस कुटनीति का प्रयोग किया जाता है। उसे विदेश नीति कहते है।

कुटनीति → एक देश दूसरे देश के साथ सम्बंध स्थापित करने के लिए प्रतिद्वन्दी देश के साथ प्रतिस्पर्धात्मक सम्बंध बनाता है।

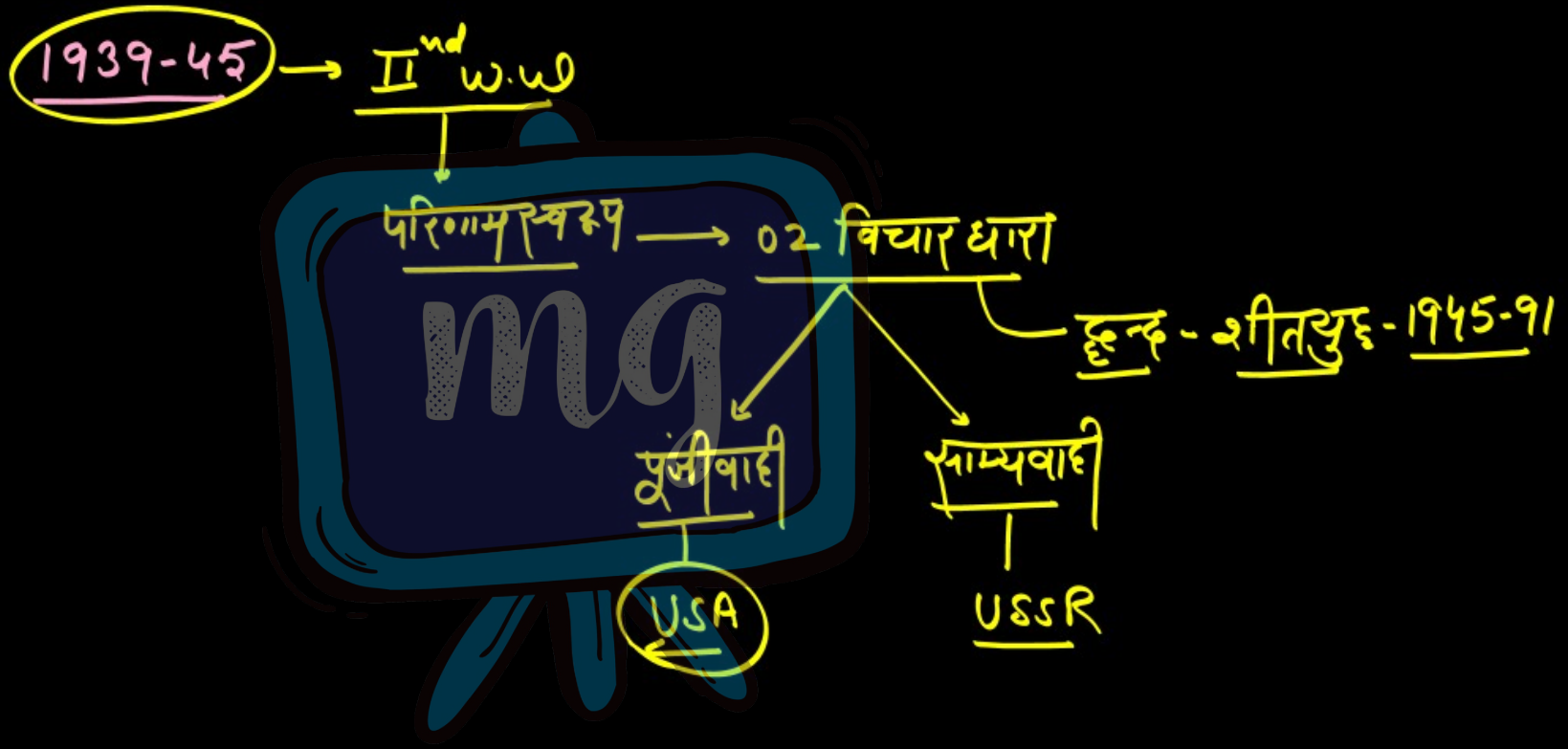
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



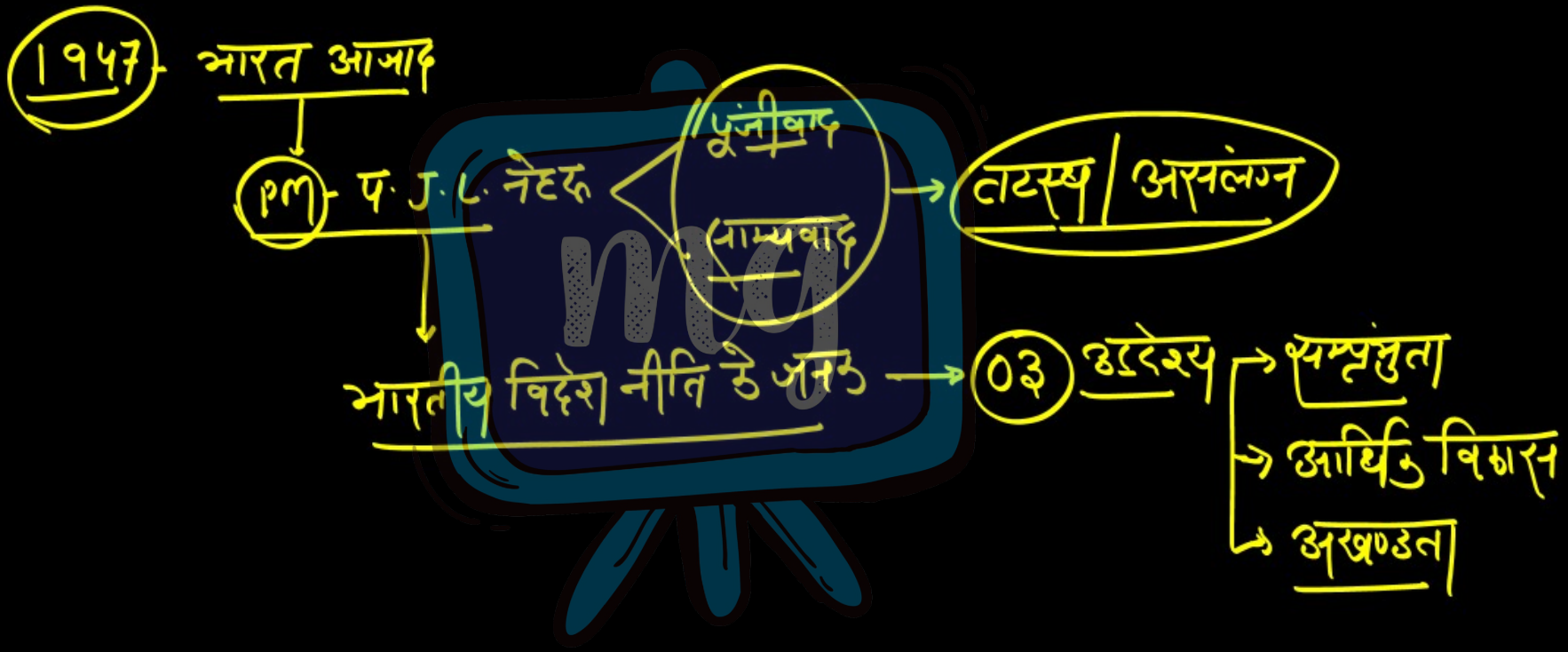
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



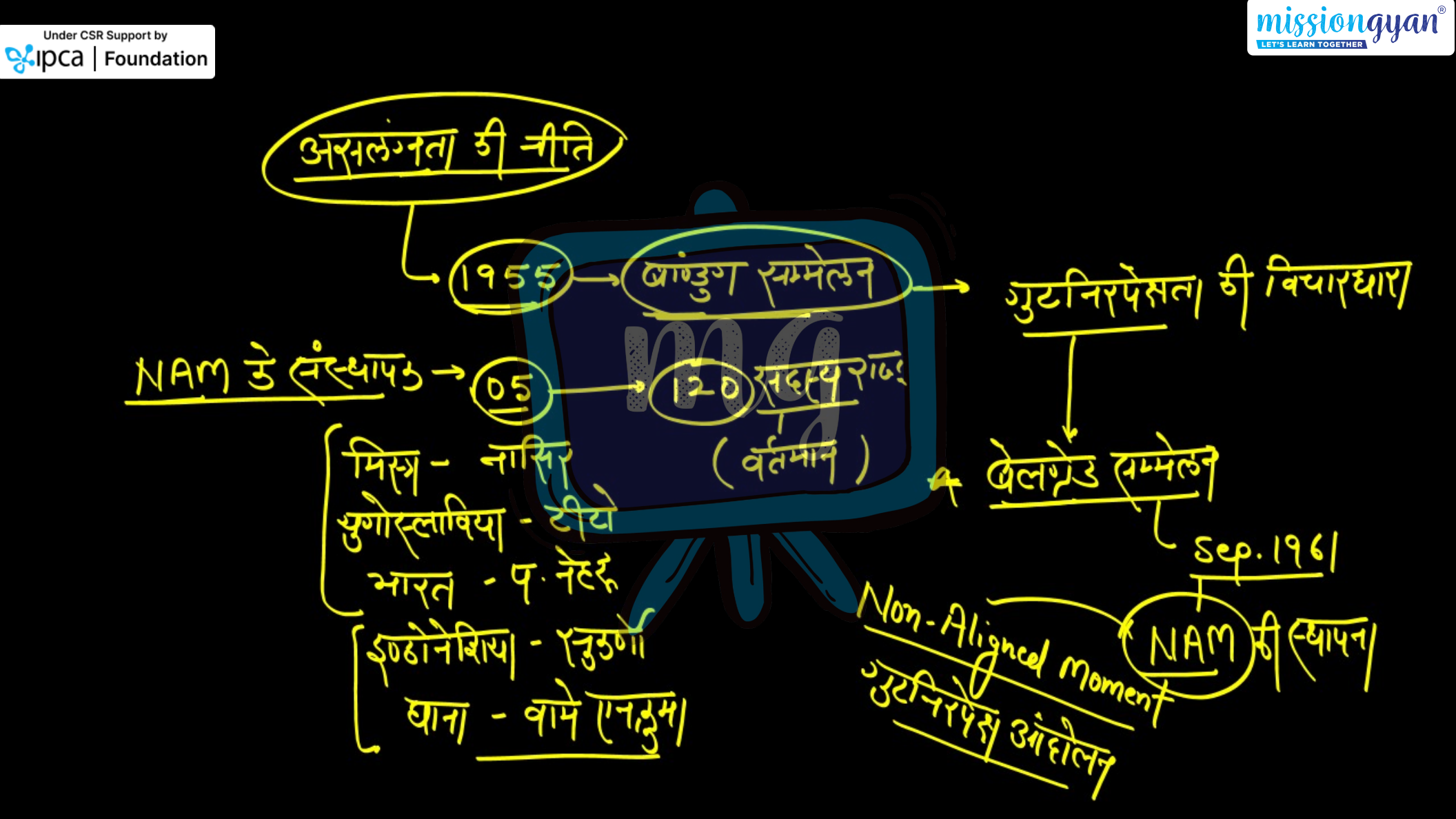
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

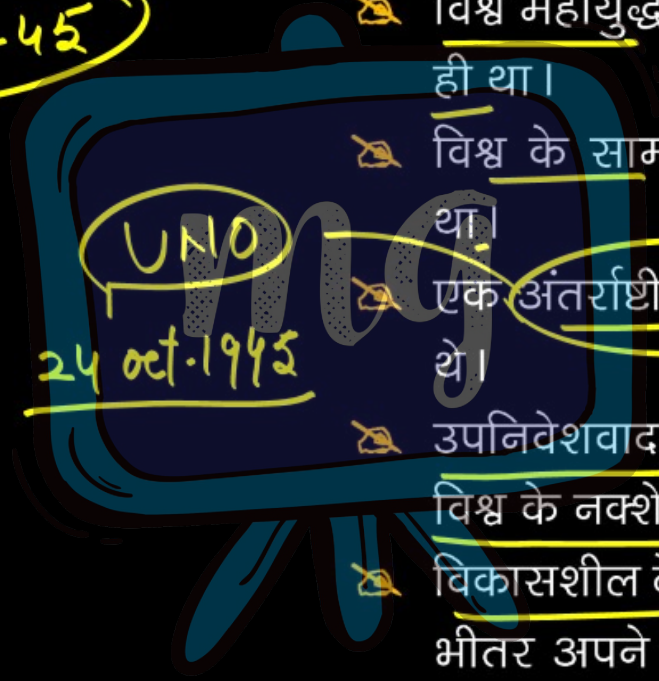


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ

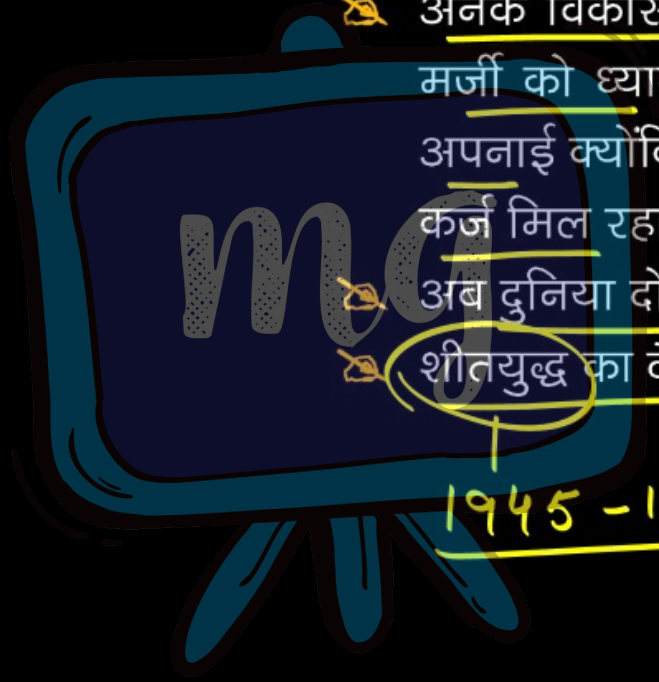
1939-45



- विश्व महायुद्ध की तबाही से अभी बाहर निकला ही था।
- विश्व के सामने पुनर्निर्माण का सवाल प्रमुख था।
- एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था बनाने के प्रयास हो रहे थे।
- उपनिवेशवाद की समाप्ति के फलस्वरूप नवराष्ट्र विश्व के नक्शे पर उदित हो रहे थे।
- विकासशील देशों के पास अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के भीतर अपने सरोकारों को पूरा करने के लिए जकरी संसाधनों का अभाव था।
- विकासशील देश आर्थिक और सुरक्षा की दृष्टि से ज्यादा ताकतवर देशों पर निर्भर थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



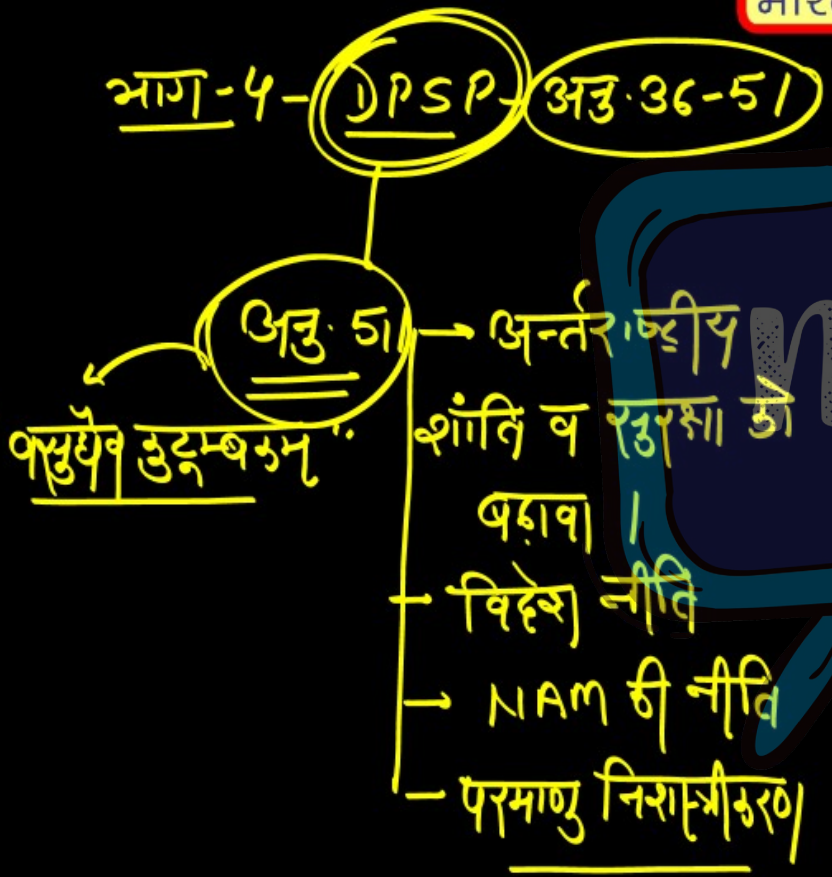
- अनेक विकासशील देशों ने ताकतवर देशों की मर्जी को ध्यान में रखकर अपनी विदेश नीति अपनाई क्योंकि इन देशों से इन्हें अनुदान अथवा कर्ज मिल रहा था।
- अब दुनिया दो खेमों में बंट गई थी।
- शीतयुद्ध का दौर था।

1945 - 1991

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत की स्थिति



- भारत ने अन्य सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान करने और शांति कायम करने का निर्णय लिया।
- इसकी झलक संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में।

सवाल :-

- 1950 और 1960 के दशक में विश्व राजनीति में भारत दोनों खेमों में से किस खेमें में शामिल हुआ?
- क्या भारत अपनी विदेश नीति को शांतिपूर्ण ढंग से बाहर लागू करने और अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों से बचने में सफल रहा?